



6. हिन्दी के एक प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत ने
संध्या का वर्णन इस प्रकार किया है -

संध्या का झुटपुट-

बाँसों का झुरमुट-

है चहक रहीं चिटियाँ

टी-वी-टी-टुट्-टुट्

ऊपर दी गई कविता और सर्वेश्वरदयाल जी की
कविता में आपको क्या मुख्य अंतर लगा? लिखिए।

उत्तर:- सर्वेश्वरदयाल जी की कविता और
सुमित्रानंदन पंत जी की कविता दोनों में ही
संध्याकालीन वर्णन ही किया गया है परन्तु दोनों में
मुख्य अंतर यह है कि जहाँ सर्वेश्वरदयाल जी ने
संध्याकालीन दृश्य को एक किसान के माध्यम से
प्रस्तुत किया है वहीं सुमित्रानंदन पंत जी ने अपनी
कविता में पक्षियों की आवाज को अपनी कविता में
प्रधानता दी है।

- भाषा की बात

7. लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए-

क घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी
ख सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा
ग पानी का परदा-सा मेरे आसपास था हिल रहा
घ मँडराता रहता था एक मरियल-सा कुत्ता आस-पास
ड. दिल है छोटा-सा छोटी-सी आशा
च घास पर फुदकती नन्ही-सी चिड़िया
इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से कैसे शब्दों के साथ हो रहा है?

उत्तर:- उपर्युक्त पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से दो रूपों में हुआ है
चादर-सी, गल्ले-सा, परदा-सा
इन शब्दों में सा/सी का प्रयोग उपमा के रूप में किया गया है जैसे-नदी चादर-सी अर्थात् नदी चादर के समान
भेड़ों के गल्ले-सा अर्थात् भेड़ों के झुंड सामान
पानी-परदा-सा अर्थात् पानी परदे के समान
दूसरी और स/सी का प्रयोग विशेषण के तौर पर किया गया है जैसे-मरियल-सा कुत्ता अर्थात् कमजोर कुत्ता
छोटा-सा-दिल अर्थात् छोटा दिल
नन्हीं-सी चिड़िया अर्थात् छोटी चिड़िया।

8. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग आप किन संदर्भों में करेंगे? प्रत्येक शब्द के लिए दो-दो संदर्भ (वाक्य) रचिए। आँधी दहक सिमटा

उत्तर:- आँधी 1. आँधी ने बहुत उत्पात मचाया।

2. मेरे मन में कशकमश की आँधी चल रही है।

दहक 1. घर के कोने में अँगीठी दहक रही है।

2. उसके मन में बदले की आग दहक रही है।

सिमटा-1. राम लाल जी बुढ़ापे के कारण धीरे-धीरे अपना कारोबार सिमटा रहे हैं।

2. पिता के डाँटने पर बालक अपनी माँ की गोद में सिमट गया।

***** END *****